दुनिया में हो रहे आर्थिक व व्यावसायिक परिवर्तन से छात्रों को सीखने की जरूरत

12वां दीक्षा समारोह में दो टापर सहित 81 छात्रों को दी गई पीजीडीएम की डिग्री

जागरण संवाददाता, पटना : सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया है। आर्थिक और व्यावसायिक दुनिया में हो रहे परिवर्तनों को सीखते और अपनाते रहने की जरूरत है। असफलता को सकारात्मक तरीके से स्वीकार करने की जरूरत है, क्योंकि यही सफलता का एक हिस्सा मात्र है। ये बातें राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने कहीं। वह चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) के 12वें वार्षिक दीक्षा समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने पीजीडीएम बैच 2020-22 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) के 81 छात्र-छात्राओं को पीजीडीएम (एमबीए के समकक्ष) की डिग्री प्रदान किया। उन्होंने स्नातक बैच को उनके शानदार प्लेसमेंट पर बधाई दी। साथ ही पूरे स्नातक छात्र को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करने और अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध और केंद्रित रहने की सलाह दी।

प्रो. अग्रवाल ने सीआइएमपी के विकास के बारे में उल्लेखित करते हुए संस्थान के बहुत कम समय में शीर्ष स्तरीय प्रबंधन संस्थान बनने के प्रयासों की भी सराहना की।

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट में दीक्षा समारोह में डिग्री के साथ छात्र। ● जागरण

सकारात्मक ऊर्जा के साथ सेवा की सलाह

सीआइएमपी निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि संस्थान के छात्र कार्पोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रो. सिंह ने पीजीडीएम-आइईवी और ईएफपीएम जैसे नए कार्यक्रमों और आइआइटी, पटना के सहयोग से व्यवसाय प्रबंधन में जल्द ही शुरू किए जाने वाले हाइब्रिड पाठ्यक्रमों का भी उल्लेख किया है। उन्होंने अनुसंधान और विश्लेषण क्षेत्र के लिए सहयोग के बारे में भी बात की। उन्होंने उत्तीर्ण स्नातकों को अपने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प रखने की सलाह दी। कार्यक्रम में आगत अतिथियों का स्वागत प्रो. रंजीत तिवारी ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुदीप रोहित ने किया।

सीआइएमपी में आयोजित दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडलिस्ट अखिल अशोकान। ● जागरण

दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया कुमारी। ● जागरण

पीजीडीएम बैच 2020-22 के छात्र वर्ग में अखिल अशोकन एवं छात्रा वर्ग में प्रिया कुमारी टापर बनीं। उन्हें संस्थान की ओर से स्वर्ण पदक दिया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और संस्थान के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपने संदेश में स्नातक छात्रों को बधाई दी और भविष्य के प्रयासों के लिए बड़ी सफलता की कामना की।

अब तक 20 प्रतिशत संस्थानों का ही हो सका एक्रिडेशन

- कहा-बिहार के शिक्षण संस्थान फिसड्डी, इसलिए आवेदन नहीं
- नई नीति के तहत हर वर्ष करना होगा 25 हजार संस्थानों का मूल्यांकन

जागरण संवाददाता, पटना : वर्तमान में देश भर के 20 प्रतिशत संस्थान का ही एनबीए व नैक के माध्यम से मूल्यांकन हो पा रहा है। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत सभी संस्थानों को एक्रिडेशन कराना अनिवार्य है। ऐसे में आने वाले दिनों में कार्य का लोड और बढ़ेगा। इसके लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) व नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल (नैक) को मिलाकर नेशनल एक्रिडेशन काउंसिल (एनबीसी) बनाने की तैयारी चल रही है। ये बातें एनबीए के चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल ने कहीं। वह चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) के दीक्षा समारोह में भाग लेने पहुंचे थे। दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को एक्रिडेशन से पहले अपने संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारना पड़ेगा। इसके बाद ही मूल्यांकन में बेहतर कर पाएंगे।

संख्या नहीं, आउटकम बेस्ड शिक्षण जरूरी : प्रो. अग्रवाल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में डिग्री बांटी जा रही है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। संख्या नहीं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण जरूरी है। बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है। पढ़ाई व सिलेबस को ठीक करने की जरूरत है। आउटकम बेस्ड पढ़ाई समय की मांग है।

दीक्षा समारोह में भाग लेने पहुंचे प्रोफेसर केके अग्रवाल। ● जागरण

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान दें बिहार के शैक्षणिक संस्थान

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) रैंकिंग के लिए बिहार के कम संस्थानों के आवेदन को लेकर प्रो. केके अग्रवाल ने बताया कि यहां के संस्थानों को पता है कि हम फिसड्डी हैं, इसलिए आवेदन नहीं कर रहे। उन्हें आवेदन से पहले खुद को तैयार करने की जरूरत है। पढ़ाई में गुणवत्ता के साथ शोध को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। उनके रिसर्च पेपर अच्छे जर्नल में प्रकाशित हो, उनकी साइटेशन भी अच्छी जगह हो। इनका भी ध्यान रखना होगा।

Dainik Jagran ! Page.No-06 ! Dated:22-08-2022

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान के दीक्षांत समारोह में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन के चेयरमैन ने छात्र-छात्राओं को किया प्रेरित

रचनात्मकता बनाए रखें, जोखिम से न घबराएं

दीक्षांत

पटना, मुख्य संवाददाता। इनोवेशन (नवाचार) में कभी असफलता नहीं मिलती। आपने जो मार्ग चुना है, वहां चुनौतियां हैं लेकिन साथ-साथ अवसर भी हैं। आप अपनी रचनात्मकता बनाये रखिए। नये-नये केस स्टडीज पर काम कीजिए। जोखिम उठाने से घबराइए मत। समाज की जड़ों से जुड़े रहिए। समस्याओं की जड़ तक जाइए तभी समाधान का रास्ता निकलेगा। ये बातें नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन के चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल ने कहीं। वे चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

संस्थान के भव्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम, एमबीए के समकक्ष) बैच के 81 छात्रों ने अपना डिप्लोमा / प्रमाण पत्र प्राप्त किया। पीजीडीएम बैच 2020-22 के टॉपर के लिए अखिल अशोकन ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि प्रिया कुमारी को पीजीडीएम बैच 2020-22 की लड़कियों में टॉपर होने के लिए स्वर्ण पदक मिला। बिहार के मुख्यमंत्री और संस्थान के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपने संदेश में स्नातक छात्रों को बधाई दी और भविष्य के प्रयासों के लिए बड़ी सफलता की कामना की।

छात्रों को किया प्रेरित: अपने दीक्षांत अभिभाषण में प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि असफलताओं से घबराना नहीं हैं। शिकार के लिये निकलने वाले शेर की सफलता का प्रतिशत मात्र 25 है। 75 प्रतिशत प्रयासों में वह असफल ही होता है लेकिन शेर शिकार करना नहीं छोड़ता। उन्होंने कहा कि हमारे प्रशिक्षण का तरीका ही गलत है। हमें निगेटिव ट्रेनिंग दी जाती रही है। स्कूल से लेकर पीएचडी तक छात्रों को फ्री हैंड देने की जरूरत है।

निदेशक ने जताया आभार: संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के चेयरमैन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ. सिंह ने पीजीडीएम-आईईवी और ईएफपीएम जैसे नए कार्यक्रमों और आईआईटी-पटना के सहयोग से व्यवसाय प्रबंधन में जल्द ही शुरू किए जाने वाले हाइब्रिड पाठ्यक्रमों का भी उल्लेख किया। प्रो. रंजीत तिवारी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. सुदीप रोहित ने दिया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार, प्रो. राजीव वर्मा, राजीव रंजन व अन्य फैकल्टी सदस्य मौजूद रहे।

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना की ओर से आयोजित दीक्षांत समारोह में रविवार को प्रमाण पत्र मिलने के बाद खुशी जताते छात्र-छात्राएं।

81 छात्र-छात्राओं को दीक्षांत समारोह के दौरान दिया गया प्रमाण पत्र

प्रश्न पूछना अनुशासन भंग करना नहीं है

उन्होंने कहा कि सामान्य कामकाज के दौरान कार्यालयों में अधिकतर समय प्रश्न पूछना नागवार लगता है। जूनियर या छात्रों का सवाल पूछना अनुशासन भंग करना नहीं है। किसी की 99 प्रतिशत बात से सहमत होना बुद्धिमता हो सकती है लेकिन शत प्रतिशत सहमति मूर्खता है। आज सुपर स्पेशलाइजेशन का दौर है। कहा कि आपको लर्निंग एजीलिटी, इंटरप्रेन्योरशिप स्किल, लाइफ स्किल्स और लीडरशिप डेवलपमेंट पर फोकस करना होगा।

दीक्षांत समारोह में छात्रा प्रिया कुमारी को गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान करते मुख्य अतिथि केके अग्रवाल व संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. राणा सिंह।

समारोह में छात्र अखिल अशोकन को गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र दिया गया।

दीक्षांत समारोह के दौरान शपथ लेते छात्र-छात्राएं।

Hindustan ! Page.No-06 !Dated:22-08-2022

चंद्रगुप्त प्रबंधन दीक्षांत समारोह • मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं के चेहरे पर दिखी उज्ज्वल भविष्य की चमक

दो को गोल्ड सहित 81 छात्र-छात्राओं को मिला मेडल

सिटी रिपोर्टर | पटना

शेर सौ में 75 बार शिकार करने में फेल हो जाता है, इसके बाद भी वह जंगल का राजा कहलाता है लेकिन छात्र-छात्राएं एक परीक्षा फेल होते हैं तो उन्हें नाकामयाब बता दिया जाता है। इससे सिर्फ छात्र-छात्राओं को ही नहीं बाहर निकलना होगा, बल्कि शिक्षकों को भी हतोत्साहित करने वाले विचार से आगे निकलना चाहिए। ये बातें राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष के.के अग्रवाल ने चंद्रगुप्त प्रबंधन के 12वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में कही। रविवार को सीआईएमपी सभागार में आयोजित समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम), (एमबीए के समकक्ष) बैच 81 छात्र-छात्राओं को मेडल दिया गया। मुख्यमंत्री और संस्थान के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपने संदेश में स्नातक छात्रों को बधाई दी और भविष्य के प्रयासों के लिए बड़ी सफ़लता की कामना की।

अखिल अशोकन और प्रिया को मिला गोल्ड मेडल

अखिल

प्रिया कुमारी

पीजीडीएम बैच 2020-22 के टॉपर के लिए अखिल अशोकन ने स्वर्ण पदक दिया गया जबकि प्रिया कुमारी को पीजीडीएम बैच 2020-22 की लड़कियों में टॉपर होने के लिए स्वर्ण पदक मिला। बेगूसराय की गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया बैंकिंग में कॅरियर बनाना चाहती हैं। उसका प्लेसमेंट बैंक में हो चुका है।

नैक व नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटिएशन मिलकर एक हो जाएंगे : केके अग्रवाल

राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के अध्यक्ष के के अग्रवाल ने कहा है कि बिना शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार किये एक्रीडिएशन मिलना मुश्किल है। सिर्फ नम्बर से बात नहीं बनती। इसके लिए रिसर्च पेपर को अच्छे जगहों पर छपना, सही समय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना अनिवार्य है। आने वाले समय में नैक और नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटिएशन मिलकर एक हो जाएंगे। इन दोनों एजेंसियों को नेशनल एक्रीडिटेशन काउंसिल गाइड करेगा। इसकी चर्चा नई शिक्षा नीति में है। उन्होंने कहा कि बिहार के विश्वविद्यालयों को अच्छी रैंकिंग लाने के लिए गुणवत्ता पर फोकस करना होगा। विश्वविद्यालयों को यह निर्णय करना होगा कि आखिर उनकी जरूरत क्या है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ राणा सिंह ने कहा कि शिक्षा में इंवेस्टमेंट सबसे अच्छी होती है। जितने भी छात्र-छात्राएं डिग्री ले रहे हैं उन्हें प्रबंधन से दुनिया को सुन्दर बनाना होगा। एक प्रबंधक विकसित समाज की ओर ले जाता है, इस बात को हमेशा ध्यान में रखना होगा।

Dainik Bhaskar ! Page.No-04 ! Dated:22-08-2022

दीक्षांत समारोह

सीआईएमपी में 12वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में 81 को मिली डिग्री

डिग्री मिलते ही खुशी में उछल पड़े स्टूडेंट

दुनिया में हो रहे आर्थिक व व्यावसायिक परिवर्तन से सीखने की जरूरत

patna@inext.co.in

PATNA(21Aug): सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया है. आर्थिक और व्यावसायिक दुनिया में हो रहे परिवर्तनों को सीखते और अपनाते रहने की जरूरत है. असफलता को सकारात्मक तरीके से स्वीकार करने की जरूरत है, क्योंकि यही सफलता का एक हिस्सा मात्र है. ये बातें राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने कहीं. वह चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) के 12वें वार्षिक दीक्षा समारोह को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम में उन्होंने पीजीडीएम बैच 2020-22 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) के 81 छात्र-छात्राओं को पीजीडीएम (एमबीए के समकक्ष) की डिग्री प्रदान किया. उन्होंने स्नातक बैच को उनके शानदार प्लेसमेंट पर बधाई दी. साथ ही पूरे स्नातक छात्र को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करने और अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध और केंद्रित रहने की सलाह दी. प्रो. अग्रवाल ने सीआइएमपी के विकास के बारे में उल्लेखित करते हुए संस्थान के बहुत कम समय में शीर्ष स्तरीय प्रबंधन संस्थान बनने के प्रयासों की भी सराहना की. पीजीडीएम बैच 2020-22 के छात्र वर्ग में अखिल अशोकन एवं छात्रा वर्ग में प्रिया कुमारी टापर बनीं. उन्हें संस्थान की ओर से स्वर्ण पदक दिया गया

सकारात्मक ऊर्जा के साथ सेवा की सलाह

सीआइएमपी निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि संस्थान के छात्र कार्पोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. प्रो. सिंह ने पीजीडीएम-आइईवी और ईएफपीएम जैसे नए कार्यक्रमों और आइआइटी, पटना के सहयोग से व्यवसाय प्रबंधन में जल्द ही शुरू किए जाने वाले हाइब्रिड पाठ्यक्रमों का भी उल्लेख किया है. उन्होंने अनुसंधान और विश्लेषण क्षेत्र के लिए सहयोग के बारे में भी बात की. उन्होंने उत्तीर्ण स्नातकों को अपने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प रखने की सलाह दी. कार्यक्रम में आगत अतिथियों का स्वागत प्रो. रंजीत तिवारी ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुदीप रोहित ने किया.

I-Next ! Page.No-02 ! Dated:22-08-2022

सीआईएमपी का 12वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

पीजीडीएम में टॉपर अखिल और प्रिया को स्वर्ण पदक

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छात्रों के बेहतर भविष्य की कामना करते हुये दी बधाई

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) का 12वां वार्षिक दीक्षांत समारोह रविवार को कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम), (एमबीए के समकक्ष) बैच के 81 छात्रों ने अपना डिप्लोमा/प्रमाण पत्र प्राप्त किया। पीजीडीएम बैच 2020-22 सत्र के टॉपर छात्र अखिल अशोकन ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। जबकि लड़कियों में पीजीडीएम बैच 2020-22 की टॉपर छात्रा प्रिया कुमारी को स्वर्ण पदक मिला। मुख्यमंत्री और संस्थान के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपने संदेश में स्नातक छात्रों को बधाई दी और भविष्य के प्रयासों के लिए बड़ी सफलता की कामना की।

- सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया, मेहनत के साथ कार्य में प्रतिबद्धता बनाये रखें : प्रो. अग्रवाल
- 81 छात्र-छात्राओं ने प्राप्त किया प्रमाण पत्र

सफलता की उड़ान : प्रमाण पत्र मिलते ही खिल उठे चेहरे।

प्रो. केके अग्रवाल, अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) ने दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने स्नातक बैच को उनके शानदार प्लेसमेंट पर बधाई देते हुए स्नातक छात्र को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करने और अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध और केंद्रित रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया है। छात्रों को आर्थिक और व्यावसायिक दुनिया में हो रहे परिवर्तनों को सीखते और अपनाते रहना चाहिए। उन्होंने असफलता को सकारात्मक तरीके से स्वीकार करने की सलाह देते हुए कहा कि क्योंकि असफलता सफलता का एक हिस्सा मात्र है। उन्होंने कहा कि एक पूर्व छात्र को हमेशा अपनी मातृ संस्था का आभारी रहना चाहिए। निदेशक सीआईएमपी प्रो राणा सिंह ने बताया कि कैसे सीआईएमपी के छात्र कार्पोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

डॉ. सिंह ने पीजीडीएम-आईईवी और ईएफपीएम जैसे नए कार्यक्रमों और आईआईटी-पटना के सहयोग से व्यवसाय प्रबंधन में जल्द ही शुरू किए जाने वाले हाइब्रिड पाठ्यक्रमों का भी उल्लेख किया है। उन्होंने अनुसंधान और विश्लेषण क्षेत्र के लिए बश के साथ सहयोग के बारे में भी बात की। इसके अलावा उन्होंने उत्तीर्ण स्नातकों को अपने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प रखने की सलाह दी। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो. रंजीत तिवारी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। धन्यवाद प्रस्ताव प्रो. सुदीप रोहित ने दिया।

Rashtriya Sahara ! Page.No-05 ! Dated:22-08-2022

सीआइएमपी का दीक्षांत समारोह . 81 छात्रों को मिला डिप्लोमा प्रमाणपत्र

आर्थिक दुनिया में हो रहे परिवर्तनों से अपडेट रहें मैनेजमेंट के छात्र : प्रो. केके

- सीआइएमपी के सभी छात्रों का हो चुका है प्लेसमेंट

संवाददाता ▷ पटना

मैनेजमेंट के छात्र आर्थिक और व्यावसायिक दुनिया में हो रहे परिवर्तनों को लगातार अपना कर अपडेट रहें. बदलते वक्त की आहट को पहचानने की कला को सीखें. छात्रों को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करने और अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध और केंद्रित रहना चाहिए. वे हमेशा याद रखें कि सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया है. ये बातें रविवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआइएमपी) के 12वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडेशन के चेयरमैन प्रो केके अग्रवाल ने कहीं.

समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) करने वाले 2020-22 बैच के 81 छात्रों को डिप्लोमा प्रमाणपत्र मिला. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रो केके अग्रवाल ने कहा कि छात्र असफलता को सकारात्मक तरीके से स्वीकार करने की कला को भी सीखें.

असफलता सफलता का एक हिस्सा मात्र है. उन्होंने कहा कि एक पूर्व छात्र को हमेशा अपनी मातृ संस्था का आभारी रहना चाहिए. उन्होंने कहा कि सीआइएमपी ने बहुत कम समय में देश के शीर्ष प्रबंधन संस्थानों में अपनी जगह बनायी है. इसके लिए उन्होंने सीआइएमपी के निदेशक प्रो.(डॉ.) राणा सिंह और छात्रों को बधाई दी.

सीआइएमपी ने बहुत कम समय में देश के शीर्ष प्रबंधन संस्थानों में अपनी जगह बनायी

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के दीक्षांत समारोह में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम)करने वाले 2020-22 बैच के छात्रों को सम्मानित किया गया.

आइआइटी, पटना के सहयोग से शुरू होगा प्रबंधन में हाइब्रिड कोर्स

समारोह में सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह ने बताया कि कैसे सीआइएमपी के छात्र कॉरपोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. डॉ सिंह ने पीजीडीएम-आइइवी और इएफपीएम जैसे नये कार्यक्रमों और आइआइटी-पटना के सहयोग से व्यवसाय प्रबंधन में जल्द ही शुरू किये जाने वाले हाइब्रिड पाठ्यक्रमों का भी उल्लेख किया है. उन्होंने अनुसंधान और विश्लेषण क्षेत्र के लिए बॉश के साथ सहयोग के बारे में भी बात की. उन्होंने दीक्षांत समारोह में मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा प्रमाणपत्र पाने वाले छात्रों को जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प रखने की सलाह दी. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और संस्थान के अध्यक्ष नीतीश कुमार का संदेश पढ़ा गया. उन्होंने अपने संदेश में छात्रों को बधाई दी और भविष्य के प्रयासों के लिए बड़ी सफलता की कामना की है. इस मौके पर प्रो. रंजीत तिवारी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो सुदीप रोहित ने दिया.

केरल के अखिल अशोकन व बेगूसराय की प्रिया को मिला गोल्ड मेडल

दीक्षांत समारोह में पीजीडीएम बैच 2020-22 के टॉपर अखिल अशोकन को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया. वह केरल के रहने वाले हैं. वहीं, बेगूसराय की रहने वाली यहां की छात्रा प्रिया कुमारी को पीजीडीएम बैच 2020-22 की लड़कियों में टॉपर होने के लिए गोल्ड मेडल मिला है.

छात्रों ने सुनाया कैंपस से जुड़ा अनुभव

कैंपस से जुड़ी ढेरों अच्छी यादें हैं, हम सब यहां एक परिवार की तरह रहते थे. यह कैंपस बहुत याद आयेगा.
-सौरभ परमार

इस कैंपस में हम छात्र विभिन्न राज्यों से आये थे. यहां के कल्चर में काफी विविधता है, यही इसकी खासियत है.
-विशाल कुमार सिंह

सीआइएमपी में काफी अच्छी पढ़ाई होती है, सभी फैकल्टी बहुत अच्छी हैं. यहां से के छात्र कॉरपोरेट के साथ ही गवर्नमेंट को भी अपनी सेवा दे रहे हैं.
-विशाल कुमार

सीआइएमपी का कैंपस वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस है. यही कैंपस अगर किसी मेट्रो सिटी में होता तो और भी अच्छा प्लेसमेंट होता.
-दिव्यांशु मिश्रा

इस संस्थान में बेस्ट फैकल्टी है, कोविड के कारण एक साल ही हम कैंपस में रहे लेकिन इस दौरान काफी कुछ सीखा. यहां प्रैक्टिकल ज्ञान पर जोर दिया जाता है.
-प्रिया कुमारी

सीआइएमपी अपने छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करता है. यहां हमें प्रोफेशनल अनुभव मिलता है जिसका फायदा कॉरपोरेट क्षेत्र में मिलता है.
-जागृति

मैं केरल का रहने वाला हूं, इस संस्थान में आकर काफी अच्छा अनुभव रहा. हमने यहां सिर्फ किताबें नहीं पढ़ी बल्कि उसका प्रैक्टिकल अनुभव भी लिया.
-अखिल अशोकन

Prabhat Khabar ! Page.No-04
Dated:22-08-2022

सीआईएमपी में 12वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

81 छात्र-छात्राओं को दिया गया डिप्लोमा प्रमाण पत्र

पटना/संवाददाता। रविवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना का 12वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट बैच के 81 छात्रों ने अपना डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्राप्त किया। पीजीडीएम बैच 2020-22 के टॉपर के लिए अखिल अशोकन ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि प्रिया कुमारी को पीजीडीएम बैच 2020-22 की लड़कियों में टॉपर होने के लिए स्वर्ण पदक मिला। मुख्यमंत्री और संस्थान के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपने संदेश में स्नातक छात्रों को बधाई दी और भविष्य के प्रयासों के लिए बड़ी सफलता की कामना की। राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने अपने दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले सीआईएमपी की उपलब्धि के लिए सीआईएमपी के निदेशक प्रो.(डॉ.) राणा सिंह को बधाई दी। प्रो. अग्रवाल ने अपने भाषण में सीआईएमपी के विकास के बारे में उल्लेख किया और बहुत कम समय में सीआईएमपी के शीर्ष स्तरीय प्रबंधन संस्थान बनने के प्रयासों की भी सराहना की। इसके अलावा उन्होंने स्नातक बैच को उनके शानदार प्लेसमेंट पर बधाई दी। उन्होंने पूरे स्नातक छात्र को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करने और अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध और केंद्रित रहने की सलाह दी। उन्होंने अपने भाषण में यह भी जोड़ा कि सीखना एक अंतहीन प्रक्रिया है और उन्होंने छात्रों को आर्थिक और व्यावसायिक दुनिया में हो रहे परिवर्तनों को सीखते और अपनाते रहने की सलाह दी। उन्होंने सभा को असफलता को सकारात्मक तरीके से स्वीकार करने के लिए भी संबोधित किया क्योंकि असफलता सफलता का एक हिस्सा मात्र है। उन्होंने कहा कि एक पूर्व छात्र को हमेशा अपनी मातृ संस्था का आभारी रहना चाहिए। प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने अपने संबोधन में सभी गणमान्य व्यक्तियों, मुख्य अतिथि, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और मीडिया कर्मियों का स्वागत किया।

Sanmarg ! Page.No-03 ! Dated: 22-08-2022

81 scholars get degrees at 12th convocation of CIMP

Ranjeet Kumar

Students of Chandragupt Institute of Management-Patna in a jubilant mood on Sunday

B K Mishra

Patna: As many as 81 scholars of Chandragupt Institute of Management-Patna (CIMP), who successfully completed the postgraduate diploma management course in 2020-22 session, were awarded degrees at the institute's 12th convocation on Sunday.

Two of them – Ahil Ashokan and Priya Kumari – were awarded gold medals for securing top positions in the list of successful candidates.

Chief minister Nitish Kumar, who also happens to be the chairman of CIMP's board of governors, in a message, conveyed his happiness over the brilliant performance of the students and wished them all success in their future endeavours. He also congratulated the guardians of successful students.

Chairman of National Board of Accreditation (NBA), K K Agrawal, who was the chief guest on the occasion, said learning is a continuous process and scholars should keep on learning the latest advancements in the economic and business world so that they serve the society to their fullest capacity.

He advised the graduating students to work hard in their respective fields and remain committed to their assignments in hand. He advised the scholars to adapt themselves to the needs of the changing society and always work for the nation's development. Agrawal said alumni should always remain grateful to their alma mater and lend their full support in its growth and development.

Agrawal appreciated the progress made by CIMP in such a short period and hoped that it would soon develop into an institution of national repute. He also lauded the attractive placements being secured by the institute's students.

CIMP director Rana Singh highlighted the various achievements of the institution and pointed out that the institute's passouts are performing well in the corporate world. He said some new courses like PGDM-IEV and EFPM as well as the hybrid courses in computer science and business management in collaboration with IIT-Patna would be launched soon. He mentioned the institute's collaboration with BOSCH for research in the analytics field. CIMP teacher Ranjit Tiwari welcomed the guests. The vote of thanks was proposed by Sudeep Rohit.

Times Of India ! Page.No-02 ! Dated:22-08-2022

सीआईएमपी का 12वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

81 छात्र-छात्राओं को मिला डिप्लोमा प्रमाण पत्र

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) का 12वां वार्षिक दीक्षांत समारोह रविवार का अपने भव्य सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम), (एमबीए के समकक्ष) बैच के 81 छात्रों ने अपना डिप्लोमा प्रमाण पत्र प्राप्त किया। पीजीडीएम बैच 2020-22 के टॉपर के लिए अखिल अशोकन ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि प्रिया कुमारी को पीजीडीएम बैच 2020-22 की लड़कियों में टॉपर होने के लिए स्वर्ण पदक मिला। बिहार के मुख्यमंत्री और संस्थान के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपने संदेश में स्नातक छात्रों को बधाई दी और भविष्य के प्रयासों के लिए बड़ी सफलता की कामना की। प्रो. के.के. अग्रवाल, अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) ने अपने दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले सीआईएमपी की उपलब्धि के लिए प्रो.(डॉ.) राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी को बधाई दी। प्रो. अग्रवाल ने अपने भाषण में सीआईएमपी के विकास के बारे में उल्लेख किया और बहुत कम समय में सीआईएमपी के शीर्ष स्तरीय प्रबंधन संस्थान बनने के प्रयासों का भी सराहना किया। इसके अलावा, उन्होंने स्नातक बैच को उनके शानदार प्लेसमेंट पर बधाई दी उन्होंने पूरे स्नातक छात्र को अपने अपने क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करने और अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध और केंद्रित रहने की सलाह दी। प्रो. (डॉ.) राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी ने अपने संबोधन में सभी गणमान्य व्यक्तियों, मुख्य अतिथि, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और मीडिया कर्मियों का

अखिल अशोकन और प्रिया को स्वर्ण

स्वागत किया। प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने बीओजी के चेयरमैन, मुख्यमंत्री बिहार नितीश कुमार का धन्यवाद ज्ञापन किया उन्होंने बताया कि कैसे सीआईएमपी के छात्र कॉर्पोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसकी शुरुआत में, प्रो. (डॉ.) रंजीत तिवारी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और स्नातक छात्रों को बधाई दी। धन्यवाद प्रस्ताव प्रो. (डॉ.) सुदीप रोहित ने दिया।

AAJ ! Page.No-03 ! Dated:22-08-2022